CBSE Class 12 Hindi Question Paper 2020

Series HMJ/C | **SET-1**

कोड नं. **2/C/1**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **8** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (आधार)

HINDI (Core)

निर्धारित समय : 3 घण्टे | *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *प्रश्न-पत्र* ***तीन*** *खण्डों में विभाजित किया गया है —* ***क, ख*** *एवं* ***ग*** *। सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(ii) ***खण्ड क*** *में प्रश्न संख्या* ***1*** *और* ***2*** *अपठित गद्यांश एवं काव्यांश पर आधारित हैं ।*

(iii) ***खण्ड ख*** *में प्रश्न संख्या* ***3*** *से* ***6*** *तक प्रश्न कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन पर आधारित हैं ।*

(iv) ***खण्ड ग*** *में प्रश्न संख्या* ***7*** *से* ***12*** *तक प्रश्न पाठ्य-पुस्तकों से हैं ।*

(v) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए ।*

(vi) *उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए ।*

(vii) *प्रश्न-पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है । तथापि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । ऐसे प्रश्नों में से* ***केवल एक ही विकल्प का उत्तर*** *लिखिए ।*

(viii) *इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

राष्ट्रीय चेतना की सृजनात्मक अभिव्यक्ति ही उस राष्ट्र की समग्र सांस्कृतिक चेतना कही जाती है । काल के मानदंड पर राष्ट्र-चेतना की सृजनात्मक अभिव्यक्ति से शाश्वत, युगीन और क्षणिक तीन संस्कृति-श्रेणियाँ निर्मित होती हैं । ये संस्कृति-भेद व्यक्तिगत भिन्नता अर्थात् रुचि भिन्नता के कारण बनते हैं पर इनका मूल उद्गम एकात्म है । जीव का आश्रय प्राण है, प्राण का आश्रय देह और देह आवश्यकताओं के अधीन है । दैनिक आवश्यकताओं पर वाणिज्य तंत्र का अधिकार हो जाने से हम शासित और शोषित होने लगते हैं । इसलिए स्वतंत्रता और स्वराज के चिंतकों ने राज्य और वाणिज्य की व्यवस्था पर गहराई से विचार किया । इसके समानांतर हमें राज्य और वाणिज्य की शक्तियों से होने वाली युगीन और क्षणिक संस्कृति-भेदों पर शाश्वत संस्कृति के आलोक में विचार करना आवश्यक है ।

संस्कृति की शाश्वत धारा का निर्माण वाल्मीकि, व्यास, नानक, कबीर, सूर, तुलसी, निराला, रवींद्र, भारती, कुरुप्पु, जैसे महाकवियों एवं मनीषी चिंतकों – आध्यात्मिक पुरुषों से होता है । यह सत्वगुणी भाव धारा है । इन व्यक्तियों की प्राणशक्ति सांसारिक सुख-सुविधाओं के अधीन होकर व्यय नहीं होती, अपितु ये सत्वधर्मी स्थिर स्मृति में रहते हुए अत्यल्प साधनों से राष्ट्र की चेतना को पोषित करते हैं । इनके संकल्प और सृजन से लोक में उच्चतम जीवन आदर्शों की स्थापना होती है और इन पर बाह्य जगत का शासन नहीं चल सकता, किसी राजनीति या आर्थिक व्यवस्था को इनकी अनुरूपता स्वीकार करनी पड़ती है । सर्वोच्च राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्थाएँ जब शाश्वतता का अनुपालन करती हैं तभी सार्थक हो पाती हैं । अतः समकालीन संस्कृति और क्षणिक संस्कृति (उपभोक्ता या अपसंस्कृति) को भी आत्मघात से बचने के लिए शाश्वत संस्कृति का अनुसरण अपने स्तर में रहते हुए करना उचित होता है । तभी वह राष्ट्र की अभिव्यक्ति बन कर लोक ग्राह्य हो सकती है और मंगलकारी कही जा सकती है ।

(क) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

(ख) 'संस्कृति की शाश्वत धारा' से क्या आशय है ? वह किसे पोषित करती है ? *2*

(ग) संस्कृति भेदों की रचना कैसे होती है ? वे भेद क्या-क्या हैं ? *2*

(घ) राजनीतिक और आर्थिक व्यवस्थाओं को सार्थकता कैसे मिलती है ? *2*

(ङ) युगीन और क्षणिक संस्कृतियों को किससे बचना होता है और कैसे ? *2*

(च) लेखक ने मनीषी चिंतकों के प्राणशक्ति की क्या विशेषता बताई है ? लोक में इनका प्रभाव कैसे पड़ता है ? *2*

(छ) 'आध्यात्मिक' शब्द में निहित उपसर्ग और प्रत्यय को छाँटकर लिखिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *1×4=4*

सतपुड़ा के घने जंगल
नींद में डूबे हुए-से
ऊँघते अनमने जंगल
धँसो इनमें डर नहीं है,
मौत का यह घर नहीं है,
उतर कर बहते अनेकों,
कल-कथा कहते अनेकों,
नदी निर्झर और नाले,
इन वनों ने गोद पाले,
लाख पंछी सौ हिरन-दल,
चाँद के कितने किरण-दल,
झूमते बन-फूल फलियाँ,
खिल रही अज्ञात कलियाँ,
हरित दूर्वा, रक्त किसलय,
पूत, पावन, पूर्ण रसमय ।

(क) 'पूत' और 'पावन' विशेषणों का प्रयोग किसके लिए किया गया है ?
(ख) कवि को सतपुड़ा के घने जंगल ऊँघते हुए से क्यों लगते हैं ?
(ग) 'कल-कथा कहते अनेकों' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।
(घ) इन वनों ने किन्हें पाल रखा है ?

अथवा

बुनी हुई रस्सी को घुमाएँ उल्टा
तो खुल जाती है
और अलग-अलग देखे जा सकते हैं उसके सारे रेशे
मगर कविता को कोई
खोले ऐसा उल्टा
तो साफ नहीं होंगे हमारे अनुभव
इस तरह

क्योंकि अनुभव तो हमें
जितने इसके माध्यम से हुए हैं
उससे ज्यादा हुए हैं दूसरे माध्यमों से
व्यक्त वे जरूर हुए हैं यहाँ

कविता को
बिखरा कर देखने से
सिवा रेशों के क्या दिखता है !

लिखने वाला तो
हर बिखरे अनुभव के रेशे को
समेटकर लिखता है ।

(क) कविता को रस्सी की तरह उल्टा घुमाना उचित क्यों नहीं है ?

(ख) कवि अनुभव के रेशों का क्या करता है ?

(ग) बुनी हुई रस्सी के साथ क्या कर सकते हैं जो कविता के साथ संभव नहीं है ?

(घ) 'व्यक्त वे जरूर हुए हैं यहाँ' पंक्ति का भाव स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) विद्यालय जाने से पहले का एक घंटा

(ख) घट रही है परिश्रम की आदत

(ग) फिल्मों का उद्देश्य केवल मनोरंजन नहीं

4. स्वच्छताकर्मियों के प्रति सामाजिक सोच में बदलाव की ज़रूरत को रेखांकित करते हुए किसी प्रतिष्ठित समाचार-पत्र के संपादक को लगभग 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

अथवा

सड़क दुर्घटनाओं में हो रही बढ़ोतरी पर चिंता जताते हुए यातायात के नियमों को कठोरता से लागू करने हेतु, नगर के पुलिस अधीक्षक को लगभग 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए । *5*

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 15 – 20 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

(क) 'खोजपरक पत्रकारिता' किसे कहते हैं ?

(ख) रेडियो की भाषा कैसी होनी चाहिए ?

(ग) पीत पत्रकारिता किसे कहते हैं ?

(घ) 'संपादकीय' की दो विशेषताएँ लिखिए ।

(ङ) एंकर बाइट क्या है ?

6. उल्टा पिरामिड शैली एवं समाचार के छह ककारों को ध्यान में रखते हुए किसी खेल प्रतियोगिता का समाचार लगभग 80 – 100 शब्दों में लिखिए । *5*

अथवा

'ज्ञान का संसार – विद्यालय का पुस्तकालय' विषय पर लगभग 80 – 100 शब्दों में एक फ़ीचर लिखिए । *5*

अथवा

कहानी की रचना में कथानक का महत्त्व लगभग 80 – 100 शब्दों में स्पष्ट कीजिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

जन्म से ही वे अपने साथ लाते हैं कपास
पृथ्वी घूमती हुई आती है उनके बेचैन पैरों के पास
जब वे दौड़ते हैं बेसुध
छतों को भी नरम बनाते हुए
दिशाओं को मृदंग की तरह बजाते हुए
जब वे पेंग भरते हुए चले आते हैं
डाल की तरह लचीले वेग से अकसर
छतों के ख़तरनाक किनारों तक –
उस समय गिरने से बचाता है उन्हें
सिर्फ़ उनके ही रोमांचित शरीर का संगीत
पतंगों की धड़कती ऊँचाइयाँ उन्हें थाम लेती हैं महज एक धागे के सहारे ।

(क) 'कपास' शब्द किसका प्रतीक है ? उसे जन्म से ही साथ लाना क्या संकेत कर रहा है ?

(ख) 'छतों को भी नरम बनाने' का क्या भाव है ?

(ग) दिशाओं को मृदंगों की तरह बजाने से कवि का क्या आशय है ?

अथवा

हो जाए न पथ में रात कहीं,
मंजिल भी तो है दूर नहीं
यह सोच थका दिन का पंथी भी
जल्दी-जल्दी चलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

बच्चे प्रत्याशा में होंगे,
नीड़ों से झाँक रहे होंगे –
यह ध्यान परों में चिड़ियों के
भरता कितनी चंचलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

मुझसे मिलने को कौन विकल ?
मैं होऊँ किसके हित चंचल ?
यह प्रश्न शिथिल करता पद को,
भरता उर में विह्वलता है !
दिन जल्दी-जल्दी ढलता है !

(क) पंथी क्या सोच रहा है और क्यों ?
(ख) चिड़िया चंचल क्यों हो रही है ?
(ग) कवि को किस बात की चिंता है और क्यों ?

8. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

प्रभु प्रलाप सुनि कान, बिकल भए बानर निकर ।
आइ गयउ हनुमान, जिमि करुना मँह बीर रस ।।

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य लिखिए ।
(ख) काव्यांश की अलंकार योजना पर प्रकाश डालिए ।

अथवा

बहुत काली सिल ज़रा से लाल केसर
कि जैसे धुल गई हो

स्लेट पर या लाल खड़िया चाक
मल दी हो किसी ने

(क) काव्यांश का भाव-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए ।
(ख) काव्यांश की शिल्प संबंधी कोई दो विशेषताएँ लिखिए ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 – 70 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता कुछ लोगों की संवेदनहीनता प्रकट करती है, कैसे ?

(ख) 'छोटा मेरा खेत' कविता में कवि के और किसान के कार्य में समानता किस प्रकार प्रदर्शित की गई है ?

(ग) 'सहर्ष स्वीकारा है' कविता में कवि ने जीवन की हर स्थिति को सहर्ष क्यों स्वीकार किया है ?

10. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *2×3=6*

यह विडंबना की ही बात है कि इस युग में भी 'जातिवाद' के पोषकों की कमी नहीं है । इसके पोषक कई आधारों पर इसका समर्थन करते हैं । समर्थन का एक आधार यह कहा जाता है कि आधुनिक सभ्य समाज 'कार्य-कुशलता' के लिए श्रम-विभाजन को आवश्यक मानता है और चूँकि जाति-प्रथा भी श्रम-विभाजन का ही दूसरा रूप है इसलिए इसमें कोई बुराई नहीं है । इस तर्क के संबंध में पहली बात तो यही आपत्तिजनक है कि जाति-प्रथा श्रम-विभाजन के साथ-साथ श्रमिक विभाजन का भी रूप लिए हुए है । श्रम-विभाजन निश्चय ही सभ्य समाज की आवश्यकता है परंतु किसी भी सभ्य समाज में श्रम-विभाजन की व्यवस्था श्रमिकों का विभिन्न वर्गों में अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती । भारत की जाति-प्रथा की एक और विशेषता यह है कि यह श्रमिकों का अस्वाभाविक विभाजन ही नहीं करती बल्कि विभाजित विभिन्न वर्गों को एक-दूसरे की अपेक्षा ऊँच-नीच भी करार देती है, जो कि विश्व के किसी भी समाज में नहीं पाया जाता ।

(क) लेखक किस बात को विडंबना मानता है और क्यों ?

(ख) भारत की जाति-प्रथा विश्व से अलग कैसे है ?

(ग) जातिवाद का समर्थन किन कुतर्कों द्वारा किया जाता है ?

अथवा

उस बल को नाम जो दो; पर निश्चय वह उस तल की वस्तु नहीं है जहाँ पर संसारी वैभव फलता-फूलता है । वह कुछ अपर जाति का तत्त्व है । लोग स्पिरिचुअल कहते हैं; आत्मिक, धार्मिक, नैतिक कहते हैं । मुझे योग्यता नहीं कि मैं उन शब्दों में अंतर देखूँ और प्रतिपादन करूँ । मुझे शब्द से सरोकार नहीं । मैं विद्वान नहीं कि शब्दों पर अटकूँ । लेकिन इतना तो है कि जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है । बल्कि यदि उसी बल को सच्चा बल मानकर बात की जाए तो कहना होगा कि संचय की तृष्णा और वैभव की चाह में व्यक्ति की निर्बलता ही प्रमाणित होती है । निर्बल ही धन की ओर झुकता है । वह अबलता है । वह मनुष्य पर धन की और चेतन पर जड़ की विजय है ।

(क) गद्यांश में वर्णित बल क्या है ? व्यक्ति कब निर्बल हो जाता है ?

(ख) लेखक ने 'अपर जाति का तत्त्व' किसे कहा है और क्यों ?

(ग) लेखक ने क्यों कहा है कि – 'वह मनुष्य पर धन की और चेतन पर जड़ की विजय है ।'

11. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *4+4+2=10*

(क) भक्तिन अपना नाम क्यों बदलना चाहती थी ? लेखिका ने इस संदर्भ में क्या कहा है ? (लगभग 80 से 100 शब्दों में)

अथवा

हृदय की कोमलता को बचाने के लिए व्यवहार की कठोरता भी कभी-कभी बहुत आवश्यक हो जाती है । 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर समझाइए ।

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में भारतीय समाज की किस दुविधा तथा आडंबर को व्यक्त किया गया है ? इस पर अपने विचार भी लिखिए ।

(लगभग 80 – 100 शब्दों में)

(ग) ज़मीन पर खींची गई रेखाएँ उनके अंतर्मन तक नहीं पहुँच पाई हैं, कैसे ? 'नमक' पाठ के आधार पर लिखिए । (लगभग 30 – 40 शब्दों में)

12. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 – 100 शब्दों में लिखिए : *4×3=12*

(क) स्पष्ट कीजिए कि 'जूझ' के कथानायक का जीवन संघर्ष अभावग्रस्त समाज में जी रहे व्यक्तियों के लिए प्रेरणास्रोत भी है ।

(ख) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर सिंधु घाटी सभ्यता के नगर स्थापत्य की विशिष्टताओं का उल्लेख कीजिए ।

(ग) "ऐन फ्रैंक की डायरी एक ऐतिहासिक दस्तावेज़ होने के साथ-साथ भावनाओं की मार्मिक अभिव्यक्ति भी है ।" टिप्पणी कीजिए ।

(घ) 'जीवन के आधुनिक तौर तरीकों' के प्रति यशोधर पंत और उनकी पत्नी के दृष्टिकोण में क्या अंतर है ? सोदाहरण समझाइए ।

(ङ) 'अतीत में दबे पाँव' पाठ के आधार पर विश्लेषण कीजिए कि 'हड़प्पा कालीन संस्कृति मुख्यत: कृषि प्रधान थी' ।

Series HMJ/C SET-1

कोड नं. **29/C/1**

रोल नं. | | | | | | | | |

परीक्षार्थी कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें ।

- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **7** हैं ।
- प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए कोड नम्बर को छात्र उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें ।
- कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **13** प्रश्न हैं ।
- कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें ।
- इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है । प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा । 10.15 बजे से 10.30 बजे तक छात्र केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे ।

हिन्दी (ऐच्छिक)

HINDI (Elective)

निर्धारित समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 80*

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

(i) *प्रश्न–पत्र* ***तीन*** *खण्डों में विभाजित किया गया है —* ***क, ख*** *एवं* ***ग*** *। सभी प्रश्न* ***अनिवार्य*** *हैं ।*

(ii) ***खण्ड क*** *में प्रश्न संख्या* ***1*** *और* ***2*** *अपठित गद्यांश एवं काव्यांश पर आधारित हैं ।*

(iii) ***खण्ड ख*** *में प्रश्न संख्या* ***3*** *से* ***6*** *तक प्रश्न कार्यालयी हिन्दी और रचनात्मक लेखन पर आधारित हैं ।*

(iv) ***खण्ड ग*** *में प्रश्न संख्या* ***7*** *से* ***13*** *तक प्रश्न पाठ्य-पुस्तकों से हैं ।*

(v) *यथासंभव प्रत्येक खण्ड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए ।*

(vi) *उत्तर संक्षिप्त तथा क्रमिक होने चाहिए और साथ ही दी गई शब्द सीमा का यथासंभव अनुपालन कीजिए ।*

(vii) *प्रश्न–पत्र में समग्र पर कोई विकल्प नहीं है । तथापि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं । ऐसे प्रश्नों में से* ***केवल एक ही विकल्प का उत्तर*** *लिखिए ।*

(viii) *इनके अतिरिक्त, आवश्यकतानुसार, प्रत्येक खण्ड और प्रश्न के साथ यथोचित निर्देश दिए गए हैं ।*

खण्ड क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए :

साहित्य का आधार जीवन है । इसी नींव पर साहित्य की दीवार खड़ी होती है, उसकी अटारियाँ, मीनारें और गुंबद बनते हैं; लेकिन बुनियाद मिट्टी के नीचे दबी पड़ी है । उसे देखने को भी किसी का जी नहीं चाहेगा । जीवन परमात्मा की सृष्टि है, इसलिए अनंत है, अबोध है, अगम्य है । साहित्य मनुष्य की सृष्टि है; इसलिए सुबोध है, सुगम है और मर्यादाओं से परिमित भी है । जीवन परमात्मा को अपने कामों का जवाबदेह है या नहीं, हमें मालूम नहीं, लेकिन साहित्य तो मनुष्य के सामने जवाबदेह है । इसके लिए कानून जैसी परंपराएँ हैं जिनसे वह इधर-उधर नहीं हो सकता । जीवन का उद्देश्य आनंद है । मनुष्य जीवनपर्यंत आनंद की खोज में लगा रहता है । किसी को वह रत्न-द्रव्य में मिलता है, किसी को भरे-पूरे परिवार में, किसी को लंबे-चौड़े भवन में, किसी को ऐश्वर्य में । लेकिन साहित्य का आनंद, इस आनंद से ऊँचा है, इससे पवित्र है । उसका आधार सुंदर और सत्य है । वास्तव में, सच्चा आनंद सुंदर और सत्य से मिलता है । उसी आनंद को दर्शाना, वही आनंद उत्पन्न करना साहित्य का उद्देश्य है । ऐश्वर्य या भोग के आनंद में ग्लानि छिपी होती है, उससे अरुचि भी हो सकती है; पश्चाताप भी हो सकता है पर सुंदर साहित्य से जो आनंद प्राप्त होता है वह अखंड और अमर है ।

सत्य से आत्मा का तीन प्रकार का संबंध है । एक जिज्ञासा का, दूसरा प्रयोजन का और तीसरा आनंद का । जिज्ञासा का संबंध दर्शन का विषय है, प्रयोजन का संबंध विज्ञान का विषय है और साहित्य का विषय केवल आनंद का संबंध है । सत्य जहाँ आनंद का स्रोत बन जाता है, वहीं साहित्य हो जाता है । जिज्ञासा का संबंध विचार से; प्रयोजन का स्वार्थ-बुद्धि से जबकि आनंद का संबंध मनोभावों से है । साहित्य का विकास मनोभावों द्वारा ही होता है । एक दृश्य, घटना या कांड को हम भिन्न-भिन्न नज़रों से देख सकते हैं । हिम से ढँके हुए पर्वत पर उषा का दृश्य दार्शनिक के लिए गहरे विचार की वस्तु है, वैज्ञानिक के लिए अनुसंधान की, और साहित्यिक के लिए भाव विह्वलता की ।

जो युवा साहित्य को अपने जीवन का ध्येय बनाना चाहते हैं, उन्हें बहुत आत्मसंयम की आवश्यकता है, क्योंकि वे अपने को एक महान कार्य के लिए तैयार कर रहे हैं । चित्त की साधना, संयम, सौंदर्य-तत्त्व का ज्ञान इनकी अधिक आवश्यकता है । साहित्यकार को आदर्शवादी होना चाहिए । भावों का परिमार्जन भी उतना ही वांछनीय है । सच्चे साहित्य सेवी सच्चे तपस्वी और आत्मज्ञानी हों ।

(क) साहित्य को जीवन का लक्ष्य बनाने वाले युवाओं को किस पर ध्यान देना चाहिए और क्यों ? *2*

(ख) साहित्य के आधार को स्पष्ट करते हुए बताइए कि उसका उद्देश्य क्या है । *2*

(ग) 'जीवनपर्यंत खोज' से आप क्या समझते हैं ? किसकी खोज मनुष्य कहाँ-कहाँ जीवनपर्यंत करता है ? *2*

(घ) जीवन क्या माना गया है ? उसमें अरुचि किस बात से होती है ? *2*

(ङ) सोदाहरण स्पष्ट कीजिए एक ही घटना को किस प्रकार अलग-अलग नज़रों से देखा जा सकता है । *2*

(च) गद्यांश के लिए एक उपयुक्त शीर्षक दीजिए । *1*

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर लिखिए : *1×5=5*

तेरी आभा का कण नभ को,
देता अगणित दीपक दान;
दिन को कनक-राशि पहनाता,
विधु को चाँदी-सा परिधान;
करुणा का लघुबिंदु युगों से,
भरता छलकाता नव घन;
समा न पाता जग के छोटे
प्याले में उसका जीवन !
तेरी महिमा की छाया-छबि,
छू होता वारीश अपार;
नील गगन पा लेता घन-सा,
तम-सा अंतहीन विस्तार;
सुषमा का कण एक खिलाता
राशि-राशि फूलों के वन;
शत-शत झंझावात प्रलय –
बनता पल में भू-संचालन
सच है कण का पार न पाया,
बन बिगड़े असंख्य संसार;
पर न समझना देव हमारी –
लघुता है जीवन की हार !

(क) रात और दिन में नभ की आभा कैसी होती है ?

(ख) 'छोटा प्याला' किसे कहा गया है और क्यों ?

(ग) भाव समझाइए –
'सुषमा का कण एक खिलाता
राशि-राशि फूलों के वन ।'

(घ) 'लघुता' के जीवन को हार क्यों नहीं समझा जाना चाहिए ?

(ङ) कवि किस सच्चाई को स्वीकारता है ?

अथवा

किस तरह होती जा रही है दुनिया
कैसे छोड़कर जाऊँगा मैं बच्चो,
तुम्हें और तुम्हारे बच्चों को
इस काँटेदार भूलभुलैया में
किस तरह और क्या सोचते हुए
मरूँगा मैं कितनी मुश्किल से
साँस लेने के लिए भी जगह होगी या नहीं
खिड़की से क्या पता
कब दिखना बंद हो हरी पत्तियों के गुच्छे
हरी पत्तियों के गुच्छे नहीं होंगे
तो मैं कैसे मरूँगा
मैं घर में पैदा हुआ
घर के पेड़ का सगा था
गाँव में बड़ा हुआ
गाँव के खेत-मैदान का सगा था
पर अब किस तरह रंग बदल रही है दुनिया
मैं कारखाने में फँसी आवाज़ों के बिस्तर पर
नहीं मरूँगा,
कारखाने ज़रूरी हैं
कोई अफसोस नहीं
आदमी आकाश में सड़कें बनाए
कोई दिक्कत नहीं ।

(क) कविता में किस बात की चिंता व्यक्त की गई है ?

(ख) कवि क्यों कह रहा है कि 'मरूँगा मैं कितनी मुश्किल से' ?

(ग) कवि के गाँव-घर की स्मृतियों का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए ।

(घ) कारखाने किसके प्रतीक हैं ? क्या वास्तव में उनका 'अफसोस' नहीं होना चाहिए ?

(ङ) 'आदमी के आकाश में सड़क बनवाने' का भाव स्पष्ट कीजिए ।

खण्ड ख

3. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 150 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *5*

(क) मेरे सपनों का शहर

(ख) धरती पुकारती है

(ग) सशक्त देश की सबल नारियाँ

4. राष्ट्रीय राजमार्ग-24 पर भारी वाहनों की आवाजाही के कारण सुबह-शाम कार्यालय जाने वाले लोगों को ट्रैफिक जाम से लेकर दुर्घटनाओं तक का सामना करना पड़ता है । परिवहन विभाग के निदेशक को पत्र लिख कर भारी वाहनों के लिए अलग समय निर्धारित करने का आग्रह कीजिए । *5*

अथवा

आप राधिका/रोहित हैं जो भोपाल में 'मूक और बधिर' बच्चों के लिए एक स्वयंसेवी संस्था चलाते हैं । इस संस्था की ज़रूरतों के बारे में बताते हुए, सहायता का निवेदन करते हुए 'राज्य के समाज कल्याण मंत्रालय' को 80 – 100 शब्दों में पत्र लिखिए ।

5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम 15 – 20 शब्दों में लिखिए : *1×5=5*

(क) जनसंचार की सबसे मजबूत कड़ी किसे कहा जाता है और क्यों ?

(ख) पत्रकारिता के विशेष विषय क्षेत्रों में से किन्हीं दो के नाम लिखिए ।

(ग) संपादकीय किसे कहते हैं ?

(घ) 'एंकर पैकेज' से आप क्या समझते हैं ?

(ङ) आज़ादी के आंदोलन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दो पत्रकारों के नाम लिखिए ।

6. 2 अक्टूबर, 2019 के उपलक्ष्य में विद्यालय में होने वाले आयोजनों पर लगभग 80 – 100 शब्दों में एक समाचार लिखिए । *5*

अथवा

पेयजल संकट और 'जल संचयन' पर लगभग 80 – 100 शब्दों में एक आलेख लिखिए । *5*

अथवा

नाटक का सबसे आवश्यक और सशक्त तत्त्व है – संवाद । यह कैसे किसी नाटक को सशक्त या कमजोर बनाता है ? लगभग 80 – 100 शब्दों में उत्तर लिखिए । *5*

खण्ड ग

7. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** काव्यांश की लगभग 120 – 150 शब्दों में सप्रसंग व्याख्या कीजिए : *8*

सिर झुकाए निराश लौटते हैं हम
कि सत्य अंत तक हमसे कुछ नहीं बोला
हाँ हमने उसके आकार से निकलता वह प्रकाश-पुंज देखा था
हम तक आता हुआ
वह हममें विलीन हुआ या हमसे होता हुआ आगे बढ़ गया
हम कह नहीं सकते
न तो हममें कोई स्फुरण हुआ और न ही कोई ज्वर
किंतु शेष सारे जीवन हम सोचते रह जाते हैं
कैसे जानें कि सत्य का वह प्रतिबिंब हममें समाया या नहीं ।

अथवा

मातु मंदि मैं साधु सुचाली । उर अस आनत कोटि कुचाली ।।
फरह कि कोदब बालि सुसाली । मुकता प्रसव कि संबुक काली ।।
सपनेहुँ दोसक लेसु न काहू । मोर अभाग उदधि अवगाहू ।।
बिनु समुझें निज अघ परिपाकू । जारिउँ जायँ जननि कहि काकू ।।

8. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 30 – 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(क) 'क्षितिज को मिलता एक सहारा' के द्वारा जयशंकर प्रसाद देश की किस विशिष्टता को रेखांकित करना चाहते हैं ?

(ख) 'तोड़ो' का आह्वान करता कवि विध्वंस की नहीं, सृजन की प्रेरणा से भरा हुआ है – सोदाहरण टिप्पणी कीजिए ।

(ग) 'रैन अकेलि साथ नहिं सखी' कहकर जायसी ने नायिका की किस मनोदशा का वर्णन किया है ?

9. निम्नलिखित काव्यांशों में से किसी ***एक*** के काव्य-सौंदर्य पर लगभग 80 – 100 शब्दों में प्रकाश डालिए : *4*

(क) आनाकानी आरसी निहारिबो करौगे कौलों ?
कहा मो चकित दसा त्यों न दीठि डोलिहै ?
मौन हू सौं देखिहौं कितेक पन पालिहौ जू
कूकभरी मूकता बुलाय आप बोलिहै ।

(ख) हाथ जो पाथेय थे, ठग –
ठाकुरों ने रात लूटे,
कंठ रुकता जा रहा है,
आ रहा है काल देखो ।

10. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लगभग 80 – 100 शब्दों में कीजिए : *5*

गन्ने का एक छोर हाथी की सूँड में था और दूसरा आदमी के मुँह में । गन्ने के साथ-साथ आदमी हाथी के मुँह की तरफ खिंचने लगा तो उसने गन्ना छोड़ दिया ।

हाथी ने कहा, "देखो, हमने एक गन्ना खा लिया ।"

इसी तरह हाथी और आदमी के बीच साझे की खेती बँट गई ।

11. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 – 70 शब्दों में लिखिए : *3×2=6*

(क) 'चिमनी ग्लोब सहित चकनाचूर हो गई, पर चौधरी साहब का हाथ लैम्प की तरफ न बढ़ा' – कथन के आधार पर चौधरी बदरीनारायण 'प्रेमघन' का व्यक्तित्व चित्रण कीजिए ।

(ख) ''दूसरा देवदास' कहानी की शैली फिल्मों-सी है ।' कथन पर सोदाहरण विचार कीजिए ।

(ग) धर्म के बारे में बहस होने पर नेहरू ने जो कथा सुनाई उसके पीछे उनका क्या उद्देश्य था ?

12. विद्यापति **अथवा** केदारनाथ सिंह का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी काव्यगत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *5*

अथवा

हज़ारी प्रसाद द्विवेदी **अथवा** फणीश्वरनाथ 'रेणु' का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी भाषागत विशेषताओं का उल्लेख कीजिए । *5*

13. निम्नलिखित में से किन्हीं ***तीन*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 – 100 शब्दों में लिखिए : *4×3=12*

(क) 'वे हिम के पिघलने का इंतजार कर रहे थे और रूप और शेखर उनके अंदर के हिम के' – कथन के आलोक में स्पष्ट कीजिए कि व्यक्ति का बाहरी संघर्ष भीतरी तौर पर उसे कठोर और सख़्त बना देता है ।

(ख) बिसनाथ का अपनी माँ को याद करना वात्सल्य की सहज प्राकृतिक भावधारा में डुबा ले जाता है – 'बिस्कोहर की माटी' के आधार पर सोदाहरण पुष्टि कीजिए ।

(ग) "आधुनिक समाज अपने नदियों, तालाबों की उपेक्षा कर अपने लिए संकट मोल ले चुका है ।" कथन की सत्यता पर 'अपना मालवा' के संदर्भ में टिप्पणी कीजिए ।

(घ) 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ में विकलांगों एवं स्त्रियों के साथ किया गया व्यवहार हमारे समाज के क्रूर यथार्थ का कठोर रूप कैसे है ? विचार कीजिए ।

(ङ) बरसों बाद घर लौट रहे रूपसिंह की मनोदशा का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए और लिखिए कि अगर आप उसकी जगह होते तो किन भावनाओं से भरे हुए होते ।